

## श्रीचक्रराजस्तोत्रम्

{॥ श्रीचक्रराजस्तोत्रम् ॥}

प्रोक्ता पञ्चदशी विद्या महात्रिपुरसुन्दरी ।

श्रीमहाषोडशी प्रोक्ता महामाहेश्वरी सदा ॥ १ ॥

प्रोक्ता श्रीदक्षिणा काली महाराज्जीति संज्जया ।

var लोके ख्याता महाराज्जी नाम्ना दक्षिणकालिका ।

आगमेषु महाशक्तिः ख्याता श्रीभुवनेश्वरी ॥ २ ॥

महागुप्ता गुह्यकाली नाम्ना शास्त्रेषु कीर्तिता ।

महोग्रतारा निर्दिष्टा महाज्जपेति भूतले ॥ ३ ॥

महानन्दा कुञ्जिका स्यात् लोकेऽत्र जगदम्बिका ।

त्रिशक्त्याद्याऽत्र चामुक्ता महास्पन्दा प्रकीर्तिता ॥ ४ ॥

महामहाशया प्रोक्ता बाला त्रिपुरसुन्दरी ।

श्रीचक्रराजः सम्प्रोक्तस्त्रिभागैर्न महेश्वरि ॥ ५ ॥

ब्रह्मीभूत पूज्य श्रीस्वामी विद्यारण्य की कृपा से प्राप्त

हिन्दी अनुवाद

पञ्चदशी विद्या महात्रिपुरसुन्दरी और श्रीमहाषोडशी विद्या

सदैव महामाहेश्वरी कही गङ्ग है। श्रीदम्बिका काली को  
महारानी नाम से कहा गया है और श्री भुवनेश्वरी आगमो मे  
महाशक्ति नाम से प्रसिद्ध है। शान्ते मे गुह्यकाली नाम से  
महागुप्ता का वर्णन है और पृथ्वी पर महोग्रतारा महागुप्ता  
वताङ्ग गङ्ग है। जगदम्बा कुञ्जिका इस लोक मे महानन्दा है और  
त्रिशक्त्यात्रिका आद्या चामुण्डा महास्पन्दा कही गङ्ग है।  
बाला त्रिपुरसुन्दरी महामहाशया कही गङ्ग है। हे महेश्वर!  
इस प्रकार तीन भागो मे श्रीचक्रराज का वर्णन है।

shrlvidyAsAdhanA p. 206

Encoded and proofread by Sivakumar Thyagarajan shivakumar24 at gmail.com

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

Last updated त्oday

<http://sanskritdocuments.org>

Chakra Raja Stotram Lyrics in Bengali PDF

% File name : chakrarAjastotra.itx

% Location : doc\\_devii

% Language : Sanskrit

% Subject : hinduism/religion

% Transliterated by : Sivakumar Thyagarajan shivakumar24 at gmail.com

% Proofread by : Sivakumar Thyagarajan shivakumar24 at gmail.com

% Latest update : March 23, 2014

% Send corrections to : [Sanskrit@cheerful.com](mailto:Sanskrit@cheerful.com)

% Site access : <http://sanskritdocuments.org>

%

% This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study

% and research. The file is not to be copied or reposted for promotion of

% any website or individuals or for commercial purpose without permission.

% Please help to maintain respect for volunteer spirit.

%

We acknowledge well-meaning volunteers for [Sanskritdocuments.org](http://Sanskritdocuments.org) and other sites to have built the collection of Sanskrit texts.

Please check their sites later for improved versions of the texts.

This file should strictly be kept for personal use.

PDF file is generated [ October 13, 2015 ] at [Stotram](http://Stotram) Website